DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 July, 2024

भारतीय सेना के ड्रेस नियम

संदर्भ: *भारतीय सेना ने अपने कर्मियों को वर्दी में गहने और धार्मिक प्रतीकों को पहनने के संबंध में आधिकारिक नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में बताया है।*

➢ **सहायक उपकरण और धार्मिक प्रतीकों को पहनने पर सेना के नियम**

- भारतीय सेना के नियम वर्दी में रहते हुए सहायक उपकरण और धार्मिक प्रतीकों को पहनने के लिए प्रोटोकॉल को सावधानीपूर्वक रेखांकित करते हैं।
- ये दिशा-निर्देश रक्षा सेवा विनियमों और सेना पोशाक विनियमों में विस्तृत हैं।

➢ **वर्दी के साथ धार्मिक वस्तुएँ पहनना**

- वर्दी के साथ कोई भी अनधिकृत आभूषण या प्रतीक चिन्ह की अनुमति नहीं है, सिवाय एक अंगूठी के।
- गहने और दिखाई देने वाली घड़ी की चेन सख्त वर्जित है।

➢ **महिला कर्मियों के लिए विशेष निर्देश:**

- विवाहित महिला कर्मी अपने गले में मंगलसूत्र पहन सकती हैं।
- मेकअप के नियम सख्त हैं: लिपस्टिक, रंगीन नेल पॉलिश या बिंदी लगाने की अनुमति नहीं है।
- अगर बालों के बीच का हिस्सा बेरेट/पीक कैप से दिखाई न दे तो उस पर सिंदूर लगाया जा सकता है।

➢ **आभूषण नियम:**

- छोटी बालियों और निर्दिष्ट अंगूठियों (सगाई/शादी/मुहर) के अलावा, वर्दी में आभूषण पहनना प्रतिबंधित है।
- महिला कर्मियों को कान छिदवाने के एक सेट तक सीमित रखा गया है, जबकि बालियों का एक जोड़ा 5 मिमी व्यास से अधिक नहीं होना चाहिए।

➢ **अतिरिक्त प्रतिबंध:**

- डिओडोरेंट और परफ्यूम जैसी सुगंधों का उपयोग सख्त वर्जित है।
- सुरक्षा चिंताओं के कारण घड़ियों और घड़ी के बैंड पर प्रतिबंध है, जिसमें चमकीले रंग के वेरिएंट भी शामिल हैं।
- औपचारिक परेड के दौरान, केवल अनुक्रम को नियंत्रित करने वाला वरिष्ठ सैनिक ही घड़ी पहन सकता है।

ग्लोबल INDIAai(इंडियाएआई) शिखर सम्मेलन 2024

संदर्भ: *दो दिवसीय ग्लोबल इंडियाएआई शिखर सम्मेलन 2024 कल भारत मंडपम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।*

वैश्विक INDIAai शिखर सम्मेलन 2024 की मुख्य विशेषताएं और परिणाम:

➢ **उपस्थिति और भागीदारी:**

- शिखर सम्मेलन में 2,000 से अधिक AI विशेषज्ञों और चिकित्सकों ने शारीरिक रूप से भाग लिया, जबकि आभासी भागीदारी 10,000 से अधिक थी।
- वैश्विक भागीदारी पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (GPAI) के प्रतिनिधियों के लिए अतिरिक्त बंद-दरवाजे सत्र आयोजित किए गए, जिससे वैश्विक जुड़ाव बढ़ा।

➢ **चर्चा का फोकस:**

- प्रत्येक सत्र में AI कार्यान्वयन में चुनौतियों, AI प्रवचन को आकार देने में भारत की अनूठी आवश्यकताओं और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षाओं सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

➢ **सरकार का विजन:**

- भारत ने सरकारी पहलों के माध्यम से AI को लोकतांत्रिक बनाने और सभी के लिए पहुँच सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

➢ **INDIAai मिशन:**

- INDIAai मिशन के स्तंभों पर सत्रों ने वैश्विक AI नवाचार नेतृत्व के उद्देश्य से एक समावेशी और मजबूत AI पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत की रणनीतिक कार्रवाइयों को प्रदर्शित किया।

➢ **वैश्विक दक्षिण प्रतिनिधित्व:**

- वैश्विक एआई फोरम में वैश्विक दक्षिण देशों की आवाज़ को बढ़ाने में भारत की भूमिका को स्वीकार किया गया और उसकी सराहना की गई।

➢ **सहयोगात्मक एआई पहल:**

- वैश्विक भागीदारी पर सहयोगात्मक एआई (CAIGP) ने वैश्विक एआई असमानताओं को दूर करने के लिए GPAI सदस्यों, एआई विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों को एक साथ लाया।

➢ **OECD भागीदारी घोषणा:**

- OECD और GPAI ने शिखर सम्मेलन के दौरान AI पर एक नई एकीकृत भागीदारी की घोषणा की, जिसमें AI नैतिकता और शासन पर सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

➢ **GPAI का भविष्य का दृष्टिकोण**

- GPAI सदस्यों ने भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की, जिसमें परिवर्तनकारी क्षमता, जोखिमों को संबोधित करने, भरोसेमंद AI को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सिफारिशों को कायम रखने पर जोर दिया गया।

➢ **कार्यान्वयन अंतर्दृष्टि:**

- शिखर सम्मेलन ने INDIAai मिशन के कार्यान्वयन पहलुओं में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिसमें बहु-मॉडल दृष्टिकोण, AI-तैयार डेटा प्लेटफ़ॉर्मीकरण और विभिन्न क्षेत्रों में हितधारक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

➢ **पृष्ठभूमि:**

- भारत सरकार द्वारा 3-4 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में 'ग्लोबल इंडियाएआई समिट' का आयोजन किया गया।
- शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कम्प्यूट क्षमता, आधारभूत मॉडल, डेटासेट, एप्लीकेशन डेवलपमेंट, भविष्य के कौशल, स्टार्टअप फाइनेंसिंग और इंडियाएआई मिशन के तहत सुरक्षित एआई जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एआई विकास को आगे बढ़ाना है, जिसे 1.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर के परिव्यय से समर्थन मिला है।
- भारत, 2024 में जीपीएआई के प्रमुख अध्यक्ष के रूप में, इस बहु-हितधारक पहल में 29 सदस्य देशों को शामिल करते हुए एआई में सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटने के लिए चर्चाओं का नेतृत्व करेगा।

➢ **कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी (जीपीएआई)**

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक भागीदारी (जीपीएआई) एक बहु-हितधारक पहल है जो यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि एआई अभ्यास मानवाधिकारों, विविधता, नवाचार और सतत आर्थिक विकास के साथ संरेखित हों।
- जीपीएआई सचिवालय आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में स्थित है।
- GPAI में 29 सदस्य देश शामिल हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इज़राइल, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, फ्रांस और यूरोपीय संघ शामिल हैं।
- भारत जून 2020 में GPAI का संस्थापक सदस्य बना।
- भारत 2024 में GPA की अध्यक्षता संभालेगा, नवंबर 2022 से संचालन समिति का हिस्सा रहा है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 July, 2024

शंघाई सहयोग संगठन

संदर्भ: *कजाकिस्तान के अस्ताना में एससीओ शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन, गुरुवार, 4 जुलाई को, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत की।*

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और इसके प्रमुख उद्देश्य

- 2001 में कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान द्वारा स्थापित, एससीओ एक अंतर-सरकारी गठबंधन है जो राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।
- इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, परिवहन और सुरक्षा में सहयोग को बढ़ावा देना है।
- यह आपसी विश्वास, समानता, परामर्श और सांस्कृतिक विविधता के सम्मान की "शंघाई भावना" को बनाए रखता है।
- एससीओ सचिवालय की आधिकारिक भाषाएँ रूसी और चीनी हैं।
- इसके उद्देश्यों में सदस्य संबंधों को मजबूत करना, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा की रक्षा करना और एक लोकतांत्रिक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करना शामिल है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की संरचना

- 1996 में 'शंघाई फाइव' (कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान) के रूप में स्थापित, 2001 में उज्बेकिस्तान को शामिल करके इसका नाम बदलकर SCO कर दिया गया।
- भारत और पाकिस्तान 2017 में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुए; ईरान ने 2021 में पूर्ण सदस्य बनने के अपने इरादे की घोषणा की।
- सदस्य: चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान, उज्बेकिस्तान।
- पर्यवेक्षक: अफगानिस्तान, बेलारूस, मंगोलिया।
- संवाद भागीदार: आर्मेनिया, अजरबैजान, कंबोडिया, श्रीलंका, तुर्की, मिस्र, नेपाल, कतर, सऊदी अरब।

SCO की संगठनात्मक संरचना

- राष्ट्राध्यक्षों की परिषद: सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था, सालाना बैठक करती है।
- शासनाध्यक्षों की परिषद: दूसरी सबसे बड़ी परिषद, सालाना शिखर सम्मेलन आयोजित करती है।
- विदेश मामलों के मंत्रिपरिषद: विदेश नीति का समन्वय करती है।
- राष्ट्रीय समन्वयक परिषद: एससीओ की गतिविधियों का प्रबंधन करती है।
- सचिवालय: बीजिंग में स्थित प्रशासनिक शाखा, जिसका नेतृत्व महासचिव करते हैं।
- क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस): ताशकंद में स्थित, आतंकवाद के खिलाफ प्रयासों का समन्वय करती है।
- एससीओ व्यापार परिषद: आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देती है।
- एससीओ इंटरबैंक कंसोर्टियम: वित्तीय सहयोग को सुगम बनाती है।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का महत्व:

- क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी, जातीय अलगाववाद और धार्मिक उग्रवाद पर ध्यान केंद्रित करता है।
- वैश्विक जनसंख्या का 40%, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20% और विश्व भूमि क्षेत्र का 22% हिस्सा कवर करता है।
- क्षेत्रीय एकीकरण, स्थिरता, संपर्क को बढ़ावा देने और आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने का लक्ष्य रखता है।
- "शांति मिशन" अभ्यास जैसी एससीओ की सैन्य पहल साझा सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण हैं।

भारत के लिए एससीओ का महत्व और प्रासंगिकता

- क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच भारत के लिए महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी और सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करता है।
- मध्य एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा में योगदान करने के अवसर प्रदान करता है।
- भारत की क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाते हुए संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देता है।
- आर्थिक सहयोग को बढ़ाता है, बाजारों, प्रौद्योगिकी और निवेश के अवसरों तक पहुंच प्रदान करता है।
- बहुपक्षीय कूटनीति और सदस्य देशों के साथ जुड़ाव को गहरा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- मध्य एशियाई देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत की "कनेक्ट सेंट्रल एशिया" नीति का समर्थन करता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY

हाल ही में, केंद्र ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत मानकों और नियामक ढांचे के विकास के लिए परीक्षण सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और संस्थागत समर्थन के वित्तपोषण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के बारे में:

- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 4 जनवरी, 2023 को भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए शुरू की गई एक सरकारी पहल है।
- इस मिशन का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना और सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के माध्यम से ऊर्जा का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान करना है।
- इस मिशन ने 2030 तक कम से कम 5 एमएमटी प्रति वर्ष की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है।
- अनुसंधान और विकास योजना का उद्देश्य हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग को और अधिक किफायती बनाना है।
- इसका उद्देश्य हरित हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला में शामिल प्रासंगिक प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार करना भी है।
- हरित हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से उत्पन्न बिजली के साथ पानी के इलेक्ट्रोलिसिस का उपयोग करके किया जाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- कार्बन की तीव्रता बिजली के स्रोत की कार्बन तटस्थता पर निर्भर करती है। बिजली ईंधन मिश्रण में जितनी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा होगी, हाइड्रोजन का उत्पादन उतना ही "हरित" होगा। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का संचालन नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

वस्तु एवं सेवा कर

हाल ही में, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यन ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) को प्रभावी ढंग से लागू करना जटिल और चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

वस्तु एवं सेवा कर के बारे में:

- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारत भर में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाने वाला एक व्यापक अप्रत्यक्ष कर है।
- इसका उद्देश्य केंद्र और राज्यों द्वारा लगाए जाने वाले कई अप्रत्यक्ष करों को प्रतिस्थापित करना है।
- यह कर दोहरी संरचना पर काम करता है, जहाँ केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) अंतर-राज्यीय आपूर्ति पर लगाया जाता है, जबकि एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अंतर-राज्यीय लेनदेन पर लागू होता है।
- जीएसटी की शुरूआत संविधान संशोधन (122वां संशोधन) अधिनियम, 2016 द्वारा की गई, जो केंद्र और राज्यों दोनों को संविधान के अनुच्छेद 246ए और 279ए के तहत जीएसटी लगाने का अधिकार देता है।
- इसे भारत में 1 जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, जिसमें केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट आदि जैसे विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को शामिल किया गया था। परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं और इसमें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं। यह सर्वसम्मति के माध्यम से पूरे देश में जीएसटी दरों और नियमों में एकरूपता सुनिश्चित करता है, जिसके लिए निर्णय लेने के लिए 3/4 बहुमत की आवश्यकता होती है।

नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व

हाल ही में, कई दशकों के बाद, स्थानीय रूप से विलुप्त भारतीय गौर को आंध्र प्रदेश के नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व (NSTR) में देखा गया है।

नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व के बारे में:

- नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व (NSTR) भारत का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पूर्वी घाट की नल्लामाला पहाड़ियों में स्थित है।
- यह रिजर्व नागार्जुन सागर बांध के निकट है, जो इस क्षेत्र में जल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।
- कृष्णा नदी रिजर्व के बेसिन से होकर बहती है और इसमें श्रीशैलम और नागार्जुन सागर जलाशय भी हैं।
- इसे 1978 में अधिसूचित किया गया और 1983 में यह प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व बन गया।
- यह दो वन्यजीव अभयारण्यों, राजीव गांधी वन्यजीव अभयारण्य और गुंडला ब्रह्मेश्वरम वन्यजीव अभयारण्य (GBM) से बना है और इसका नाम क्षेत्र के दो प्रमुख बांधों के नाम पर रखा गया है।

वनस्पति: इस अभ्यारण्य में कई स्थानिक प्रजातियाँ शामिल हैं जैसे कि एन्ड्रोग्राफिस नल्लामालयाना, एरियोलाएना लशिंगटन, क्रोटालारिया मादुरेंसिस वार, डिक्लिप्टेरा बेडडोमी और प्रेम्ना हैमिल्टन। जीव: इस अभ्यारण्य में विविध प्रकार के जीव-जंतु पाए जाते हैं, जिनमें बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुए, हिरण, जंगली सूअर और हाथी शामिल हैं।

घड़ियाल

हाल ही में, पूर्वी असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में एक अकेली मादा घड़ियाल ने अस्थायी रूप से एक सींग वाले गैंडे को पीछे छोड़ दिया है।

घड़ियाल के बारे में:

- घड़ियाल भारतीय उपमहाद्वीप का मूल स्थानिक है और गहरे, तेज़ बहाव वाले मीठे पानी की नदी प्रणालियों को पसंद करता है।
- इसकी थूथन मगरमच्छों और मगरमच्छों की तुलना में बहुत लंबी और संकरी होती है, जिनकी थूथन आम तौर पर चौड़ी होती है।
- इसकी मुख्य आबादी गंगा नदी की तीन सहायक नदियों में पाई जाती है: भारत में चंबल नदी, गिरवा नदी और नेपाल की राप्ती-नारायणी नदी।
- भारतीय घड़ियाल रिजर्व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों में स्थित हैं।
- घड़ियाल को IUCN द्वारा गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में वर्गीकृत किया गया है, इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत सूचीबद्ध किया गया है, और CITES के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम राज्य में स्थित है, जो 42,996 हेक्टेयर (हेक्टेयर) क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यह ब्रह्मपुत्र घाटी के बाढ़ क्षेत्र में सबसे बड़ा अछूता और प्रतिनिधि क्षेत्र है।
- इसे 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- इसे 2007 से बाघ अभयारण्य के रूप में नामित किया गया है
- इसे 1985 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? – **शील नागू (भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित)**
- हाल ही में प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) के महानिदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? – **धीरेन्द्र ओझा (वे शैफाली शरण की जगह लेंगे, जिन्हें प्रकाशन प्रभाग का महानिदेशक नियुक्त किया गया है)**
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल ही में निम्नलिखित के लिए अपना पहला नैदानिक उपचार दिशानिर्देश जारी किया है: – **वयस्कों में तम्बाकू का सेवन बंद करना**
- हाल ही में, केरल के मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के महत्वाकांक्षी नेट जीरो कार्बन लक्ष्य को प्राप्त करने में कौन सी पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी? – **पचथुरुथु**
- हाल ही में, न्यूजीलैंड ने बासमती चावल पर भौगोलिक संकेत (GI) टैग के बराबर प्रमाणन ट्रेडमार्क के लिए भारत के अनुरोध को क्यों अस्वीकार कर दिया? – **बासमती चावल भारत के बाहर भी उगाया जाता है**